People Samachar
19.12.2019

डॉ. उत्तम ने जापान में शोधपत्र प्रस्तुत किया

इंदौर। डॉ. उत्तम शर्मा प्रोफेसर व विभाग अध्यक्ष, भौतिक शास्त्र, श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय द्वारा कनजवावा चैंबर में आयोजित प्लाज्मा और प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोगों एप्सपीटी पर 11वीं एशिया-प्रशांत अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में अपना शोध कार्य प्रस्तुत किया। अपने प्रवास के दौरान उन्होंने वैष्णव विद्यापीठ विश्व विद्यालय के साथ प्लाज्मा अनुसंधान और आगे के सहयोग के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। विश्वविद्यालय ने परमाणु ऊर्जा विभाग से 1 करोड़ रुपये के अनुदान के साथ प्लाज्मा अनुसंधान में उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किया है। कुलाधिपति पुरुषोत्तमदास पासारी, कुलपति डॉ. उपिंदर धर ने उन्हें बधाई दी।

Raj Express **19.12.2019**

जापान में डॉ. उत्तम शर्मा ने शोध पत्र प्रस्तुत किया

इंदौर राज न्यूज नेटवर्क

डॉ. उत्तम शर्मा, प्रोफेसर व विभाग अध्यक्ष श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय, इंदौर के द्वारा कनजवावा चैंबर में आयोजित प्लाज्मा और प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोगों (एप्सपीटी -11) पर 11 वीं एशिया-प्रशांत अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में अपना शोध कार्य प्रस्तुत किया। वाणिज्य और उद्योग, कानाज़ावा विश्वविद्यालय, जापान, 11 से 14 दिसंबर 2019 तक। एपीएसपीटी विशेष रूप से एशिया-प्रशांत क्षेत्र में शैक्षणिक और औद्योगिक संस्थानों के वैज्ञानिकों और इंजीनियरों के लिए मौलिक और लागू प्लाज्मा शोध को बढ़ावा देना चाहता है। डॉ. शर्मा ने 12 दिसंबर 2019 को 'आदित्य उन्नति टोकोमेक के लिए आरएफ आधारित कैपेसिटिवली कपल प्लाज्मा सिस्टम द्वारा टंगस्टन कोटेड ग्रेफाइट टाइल्स के निर्माण पर अपना शोध कार्य प्रस्तुत किया। अपने प्रवास के दौरान उन्होंने श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्व विद्यालय के साथ प्लाज्मा अनुसंधान और आगे के सहयोग के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। विश्वविद्यालय ने परमाणु ऊर्जा विभाग से 1 करोड़ रुपये के अनुदान के साथ प्लाज्मा अनुसंधान में उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किया है। कुलाधिपति पुरुषोत्तमदास पासारी, कुलपति डॉ- उपिंदर धर ने उन्हें बधाई दी और उत्कृष्टता केंद्र के लिए शुभकामनाएं दीं।

Navbharat **19.12.2019**

डॉ. शर्मा ने जापान में शोधपत्र प्रस्तुत किया

इंदौर. डॉ. उत्तम शर्मा, प्रोफेसर व विभाग अध्यक्ष, भौतिक शास्त्र, श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय इंदौर द्वारा कनजवावा चैंबर में आयोजित प्लाज्मा और प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोगों (एप्सपीटी-11) पर 11 वीं एशिया-प्रशांत अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में अपना शोध कार्य प्रस्तुत किया। वाणिज्य और उद्योगए कानाज़ावा विश्वविद्यालयए जापानए 11 से 14 दिसंबर 2019 तक। एपीएसपीटी विशेष रूप से एशिया-प्रशांत क्षेत्र में शैक्षणिक और औद्योगिक संस्थानों के वैज्ञानिकों और इंजीनियरों के लिए मौलिक और लागू प्लाज्मा शोध को बढ़ावा देना चाहता है. डॉ. शर्मा ने 12 दिसंबर को आदित्य उन्नति टोकोमक के लिए आरएफ आधारित कैपेसिटिवली कपल प्लाज़्मा सिस्टम द्वारा टंगस्टन

कोटेड ग्रेफाइट टाइल्स के निर्माणष् पर अपना शोध कार्य प्रस्तुत किया. अपने प्रवास के दौरान उन्होंने श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्व विद्यालय के साथ प्लाज्मा अनुसंधान और आगे के सहयोग के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। विश्वविद्यालय ने परमाणु ऊर्जा विभाग से 1 करोड़ रुपये के अनुदान के साथ प्लाज्मा अनुसंधान में उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किया है. कुलाधिपति पुरुषोत्तमदास पासारीए कुलपति डॉ. उपिंदर धर ने उन्हें बधाई दी और उत्कृष्टता केंद्र के लिए शुभकामनाएं दीं.